# अनुक्रमणिका


**प्राक्कथन**

**प्रस्तावित अध्यायों का संक्षिप्त विवरण**

## प्रथम अध्याय

**वृन्द गान का उद्भव** **1-24**

(क) वैदिक पृष्ठभूमि एवंम वृन्दगान का विकास (प्राचीनकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल) 1-5

(ख) वृन्दगान का लौकिकपक्ष और शास्त्रीय पक्ष 5-13

(ग) वृन्दगान की आवश्यकता एवं लक्ष्य 13-24

## द्वितीय अध्याय

**सहगान - परिभाषा एवं प्रकार** **25-50**

(क) सामूहिक गान 25-33

(ख) वृन्दगान 33-46

(ग) वृन्दगान और शिक्षा प्रणाली 47-50

## तृतीय अध्याय

**गांधर्व महाविद्यालय की स्थापना एवं उसके संस्थापक** **51-102**

(क) गांधर्व महाविद्यालय की स्थापना 51-57

(ख) पण्डित विनय चन्द्र मौद्गल्य - व्यक्तित्व एवं कृतित्व 58-68

(1) ग्रन्थ परिचय

(2) उपलब्धियां एवं पुरस्कार

(3) रचनात्मक संकलन

(ग) वृन्दगान में प्रयुक्त संगीत की गायन शैलियां 69-95

(1) हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत

(2) कर्नाटक संगीत

(3) रवीन्द्र संगीत

(4) सुगम शास्त्रीय संगीत

(5) सुगम संगीत

(घ) वृन्दगान के क्षेत्र में अन्य संगीतकारों की भूमिका 96-102

## चतुर्थ अध्याय

**वृन्दगान पर परिवर्तित सांस्कृतिक प्रभाव** **103-118**

(क) पाश्चात्य हारमनी का वृन्दगान पर प्रभाव। 103-108

(ख) सूफी संगीत का प्रभाव। 108-110

(ग) वृन्दगान में वाद्य-वादन की परम्परा। 110-118

## पंचम अध्याय

**वृन्दगान के क्षेत्र में अन्य संगीतकारों की सक्रियता** **119-124**

## षष्टम अध्याय

**वृन्दगान के प्रचार-प्रसार के माध्यम** **125-149**

(क) आकाशवाणी केन्द्र एवं दूरदर्शन केन्द्र। 125-131

(ख) शिक्षण संस्थाएं। 131-139

(ग) अन्य यूथ क्वायर ग्रुप। 140-149

## सप्तम अध्याय

**150-213**

(क) गांधर्व महाविद्यालय के वृन्दगान के पुराने तथा नए कलाकारों का साक्षात्कार/प्रश्नावली 150-158

(ख) समूहगान (वृन्दगान) और उसका भविष्य 159-163

(ग) कुछ चुने हुए समूहगान एवम् वृन्दगान स्वरलिपी सहित 164-213

## परिशिष्ट

**उपसंहार** **214-219**

**संदर्भ सूची** **220-226**

पुस्तकें / जर्नलस / पत्रिकायें